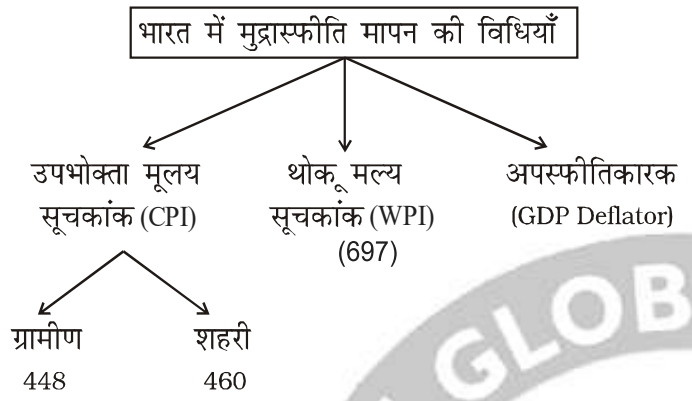

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक–यह अर्थव्यवस्था में उपभोक्ताओं के लिए मुद्रास्फीति का मापन करता है अर्थात एक समयावधि में खुदरा मूल्यों में परिवर्तन को मापता है।

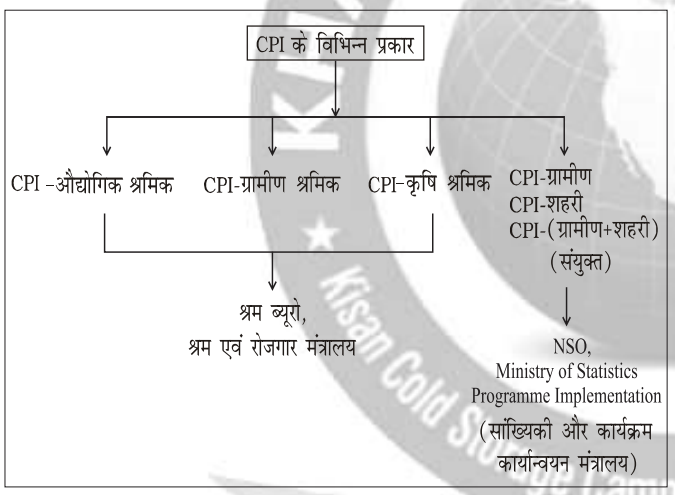

मदों की संख्या– 448 - वस्तुएँ एवं सेवायें – ग्रामीण
460 - वस्तुएँ एवं सेवायें – शहरी

⇒ CPI के अंतर्गत वस्तुओं को 6 वर्गों में बांटा गया है।

1. खाद्य एवं पेय — 45.86%
2. पान, तंबाकू एवं मादक पदार्थ–2.38%
3. कपड़े एवं जूते–चप्पल – 6.53%
4. आवास – 10.07%
5. ईंधन और प्रकाश – 6.84%
6. मिश्रित (सेवायें) – 28.32%

WPI (थोक मूल्य सूचकांक)

यह उत्पादकों के लिए मुद्रास्फीति का मापन करता है। अर्थात् यह थोक–बाजार में कीमतों के परिवर्तन को मापता है।

⇒ भारत में इसका मापन आर्थिक सलाहकारी कार्यालय, उद्योग और आंतरिक व्यापार को बढ़ावा देने हेतु विभाग Department for Promation of Industry & Internal Trade (DPIIT), वाणिज्य उद्योग मंत्रालय के द्वारा मापात जाता है।

सिर्फ 697 - सिर्फ वस्तुएँ

WPI के मदों का भार–

1. प्राथमिक वस्तुएँ (अनाज, फल, सब्जियाँ–22.62% खनिज)
2. ईंधन एवं विद्युत शक्ति– 13.15%
(कोयला, बिजली, खनिज तेल)
3. विनिर्मित उत्पाद- 64.23%

Note : CPI एवं WPI में मुद्रास्फीति के मापन का मुख्य सूचकांक CPI-संयुक्त है।

★ दोनों का मापन मासिक होता है।

★ CPI में खाद्य वस्तुओं का भार (46%) जो WPI (22.62%) से अधिक है।

★ CPI में वस्तुओं एवं सेवाओं का मापन होता है लेकिन WPI में सिर्फ वस्तुओं का।

★ Febuary - 2023 CPI 6.44% है एवं WPI 3.85% है।

मूलभूत (Core) मुद्रास्फीति–इसमें सभी वस्तुओं एवं सेवाओं की कीमतों में परिवर्तन को मापा जाता है। ईंधन एवं खाद्य पदार्थों को छोड़कर क्योंकि इनकी कीमतें अधिक परिवर्तन शील होती हैं।

Head Line Inflation — यह सभी वस्तुओं एवं सेवाओं की कीमतों में परिवर्तन को मापता है, जिसमें खाद्य एवं ईंधन भी शामिल है।

Skewflation — जब कुछ वस्तुओं एवं सेवाओं की कीमतें बढ़े एवं कुछ की घटें।

Phillips Curve — इसका सिद्धांत न्यूजीलैंड के अर्थशास्त्र A.W. Phillips ने 1958 में दिया था।

⇒ यह मुद्रास्फीति एवं बेरोजगारी के बीच एक नकारत्मक संबंध दिखता है।

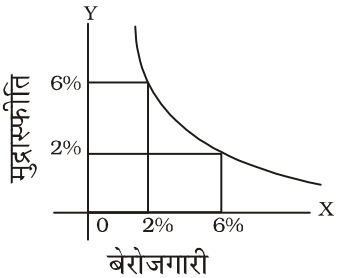

Note : मुद्रास्फीति एवं बेरोजगारी के मध्य नकारात्मक संबंध अल्पकालिक है।

<u>उत्पादक मूल्य सूचकांक (Producer Price Index)</u>–PPI उत्पादकों को प्राप्त करने वाली कीमतों में औसत परिवर्तन को मापता है, जो कीमत उसे घरेलू बाजार या निर्यात करने से प्राप्त होता है।

⇒ इसमें वस्तुएँ एवं सेवायें दोनों को शामिल किया जाता है।

⇒ भारत सरकार ने 2014 B.N. Goldar समिति का गठन किया। WPI एवं PPI के संदर्भ में।

इसकी सिफारिशें निम्न प्रकार थीं।

1. मुद्रास्फीति को मापने के लिए प्रयोगात्मक आधार पर WPI से CPI की तरफ जाना।
2. PPI का आधार वर्ष 2011 - 12 रखना
3. PPI में सेवाओं की कीमतें भी सम्मिलित करना।

<u>औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (IIP)</u>— यह अर्थव्यवस्था के विभिन्न उद्योग समूहों में विकास दर को मापता है। यह विनिर्माण क्षेत्र का एक प्रमुख आर्थिक संकेतक है।

⇒ आधार वर्ष — 2011-12

⇒ 8 मुख्य उद्योग रिफाइनरी उत्पाद > बिजली > Steel > Coal > कच्चा तेल > प्राकृतिक गैस > सीमेंट > उर्वरक।

⇒ इनका IIP में 40.27% का भार है।

<u>WPI - खाद्य सूचकांक</u> — इसका मापन DPIIT के द्वारा होता है।

⇒ इसे 2017 से जारी किया जाता है।

<u>CPI - खाद्य सूचकांक</u> –

⇒ NSO द्वारा मापन

⇒ 2014 से मापा जा रहा है।

<u>अनाज एवं उत्पाद</u>– CPI - खाद्य सूकांक की गणना में सर्वाधिक भार है– 34.2%

<u>FAO (खाद्य एवं कृषि संग) खाद्य मूल्य सूचकांक</u>– संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO) के द्वारा जारी किया जाता है। यह खाद्य वस्तुओं में अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में परिवर्तन को दर्शाता है।

⇒ यह 5 वस्तुएँ जैसे– वनस्पति तेल, मांस, डेयरी उत्पाद, चीनी और अनाज के वर्ग सूचकांक के औसत को समाहित करता है।

आधार वर्ष एवं प्रभाव

यह 2 अलग–अलग वर्षों में आर्थिक गतिवविधयाँ वस्तुओं एवं सेवाओं की कीमतों आदि में परिवर्तन का मापन करता है।

⇒ आधार वर्ष किसी एक चुने गये वर्ष के संदर्भ में वर्तमान वर्ष में परिवर्तन का मापक है। एवं इसको नियमित करने के विभिन्न तरीके हैं–

1. जिस वर्ष में उत्पादन स्तर ठीक हो।
2. जिस वर्ष में मानसून ठीक हो।
3. जिस वर्ष में सामान्य कीमतों में अधिक परिवर्तन न हो।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. निम्नलिखित में से मंदी किसे संदर्भित करता है?
(a) आर्थिक गतिविधियों में एक मजबूत ऊपर की ओर उतार–चढ़ाव
(b) आर्थिक गतिविधियों में मंदी के कारण मांग में सामान्य गिरावट
(c) एक अर्थव्यवस्था जीवित रहने के लिए निम्न उत्पादन चरण से बाहर आने का प्रयास करती है
(d) अर्थव्यवस्था में बहुत कम कुल मांग के कारण गतिविधियों में गिरावट आती है

2. जब मुद्रा आपूर्ति उपलब्ध वस्तुओं और सेवाओं से अधिक हो जाती है, तो यह होता है
(a) मुद्रास्फीति (b) पैराफ्लेशन
(c) मंदी (d) अपस्फीति

3. आर्थिक संवृद्धि सामान्यत: किसके साथ जुड़ा होता है?
(a) अपस्फीति (b) मुद्रास्फीति
(c) स्टैगफ्लेशन (d) अति मुद्रास्फीति

4. _____ एक आर्थिक परिदृश्य है जहां कम वृद्धि और वृद्धि का एक अजीबोगरीब संयोजन है मुद्रास्फीति उच्च बेरोजगारी की ओर ले जाती है।
(a) स्टैगफ्लेशन (b) मंदी (c) अपस्फीति (d) मूल्यह्रास

5. मुद्रा प्रसार को श्रेष्ठ तरीके से वर्णित किया जा सकता है?
(a) ऊंची कीमतें (b) कीमत निर्देशांक में वृद्धि
(c) मुद्रा की क्रय शाक्ति में वृद्धि
(d) विशिष्ट वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि

6. मुद्रास्फीति के कारण –
(a) वस्तुओं का मूल्य बढ़ता है।
(b) मुद्रा का मूल्य गिरता है
(c) विनिमय दर में सुधार होता है
(d) उपरोक्त (a) व (b)
(e) उपरोक्त (a), (b) व (c)

7. निम्नलिखित में से कौन –सा एक कथन अवस्फीति का उपयुक्त वर्णन करता है?
(a) यह दूसरी मुद्राओं की तुलना में मुद्रा मान में अचानक आई गिरावट है।
(b) यह अर्थव्यवस्था के वित्तीय तथा वास्विक क्षेत्रों में आई सतत मंदी है।
(c) यह माल तथा सेवाओं के सामान्य कीमत स्तर में आई सतत गिरावट है।
(d) यह मुद्रास्फीति दर में एक निश्चित समय अवधि में आई गिरावट है।

8. 'गुल्लक बच्चा बैंक' कहाँ है?
(a) दिल्ली (b) पटना (c) भोपाल (d) जयपुर
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

9. मुद्रा आपूर्ति को कम करके मुद्रास्फीति को ठीक करने की प्रक्रिया कहलाती है
(a) लगत जनित मुद्रास्फीति (b) मांग जनित मुद्रास्फीति
(c) विस्फीति (d) प्रत्यवस्फीति